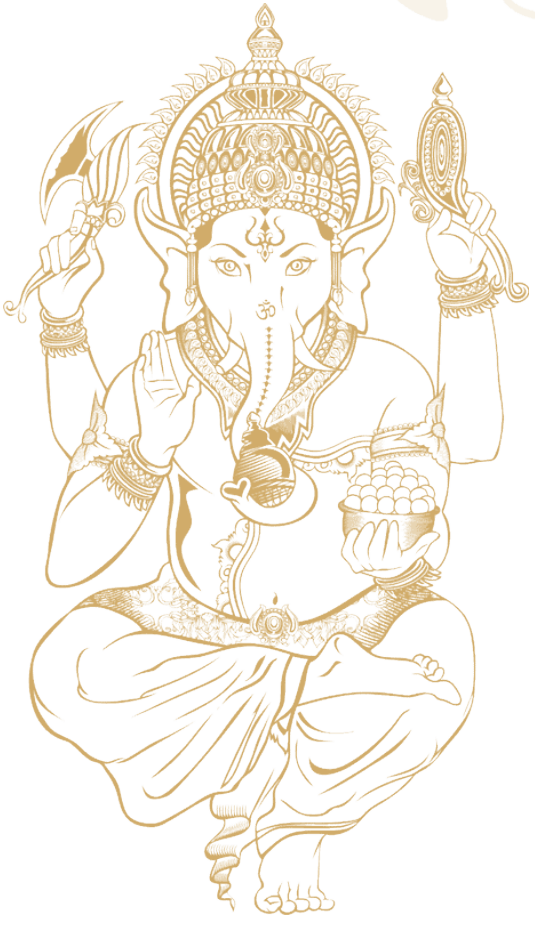

Kapil bhargav

Swati

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121921602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/07/1986	जन्म तिथि	19/09/1992
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 18:51:00	जन्म समय	10:02:00 घंटे
घटी 33:23:37	जन्म समय(घटी)	09:42:38 घटी
India	देश	India
Gurgaon	स्थान	Unnao
28:27:00 उत्तर	अक्षांश	26:32:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व	रेखांश	80:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56	स्थानिक संस्कार	-00:08:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:33	सूर्योदय	05:55:19
19:23:06	सूर्यास्त	18:07:43
23:40:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:36

विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 9मा 8दि
शनि
14/04/2023
14/04/2042

शनि	17/04/2026
बुध	25/12/2028
केतु	03/02/2030
शुक्र	04/04/2033
सूर्य	17/03/2034
चन्द्र	17/10/2035
मंगल	24/11/2036
राहु	01/10/2039
गुरु	14/04/2042

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	धनु	12:47:04
सूर्य	मिथु	19:33:30
चंद्र	मिथु	01:22:59
मंगल	धनु व	25:20:49
बुध	कर्क	12:02:13
गुरु	कुंभ	29:06:25
शुक्र	कर्क	29:19:51
शनि	वृश्चि व	10:13:18
राहु	मेष व	03:16:44
केतु	तुला व	03:16:44
हर्ष	वृश्चि व	25:46:08
नेप	धनु व	10:31:05
प्लूटो	तुला व	10:53:47

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	तुला	26:19:00
सूर्य	कन्या	02:43:42
चंद्र	वृष	24:45:25
मंगल	मिथु	10:07:17
बुध	कन्या	06:09:15
गुरु	कन्या	01:39:04
शुक्र	कन्या	28:56:51
शनि	मक	18:39:03
राहु	धनु	02:08:56
केतु	मिथु	02:08:56
हर्ष	धनु	20:17:24
नेप	धनु	22:26:27
प्लूटो	तुला	27:05:11

विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 3मा 0दि
गुरु
20/12/2016
20/12/2032

गुरु	07/02/2019
शनि	21/08/2021
बुध	27/11/2023
केतु	01/11/2024
शुक्र	03/07/2027
सूर्य	21/04/2028
चन्द्र	21/08/2029
मंगल	28/07/2030
राहु	20/12/2032

लग्न-चलित

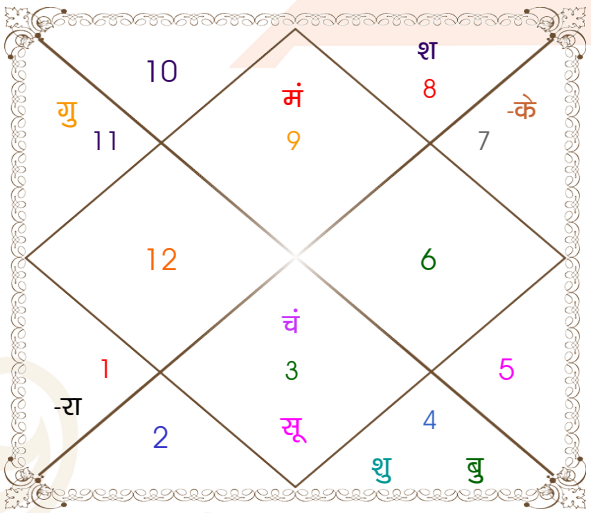

लग्न-चलित

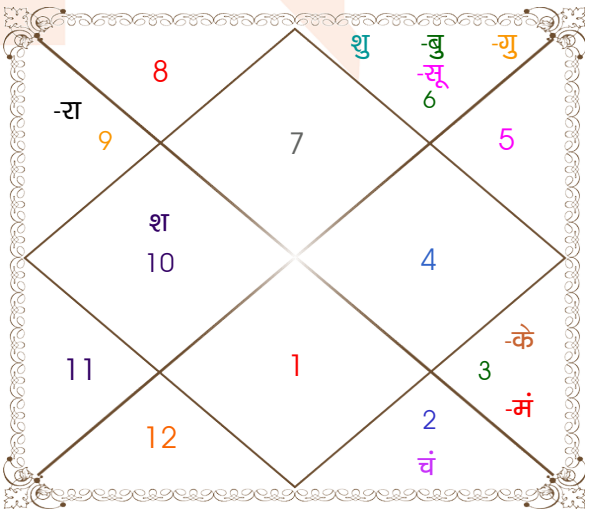

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि झंचपस ईंतहंअ का नक्षत्र मृगशिरा है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकिूँजप का नक्षत्र मृगशिरा है।

झंचपस ईंतहंअ का वर्ग मार्जार है तथाूँजप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंचपस ईंतहंअ औरूँजप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

झंचपस ईंतहंअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

ूँजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ूँजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

झंचपस ईंतहंअ तथाूँजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।